Dainik Bhaskar (Indore), 31st March 2026, Page-03

शिलान्यास • इसरो के पूर्व चीफ डॉ. के. सिवन ने किया लोकार्पण, 26.54 करोड़ की लागत से बनेगा नया भवन

आईआईटी में 1 मेगावाट का सोलर पार्क और स्वास्थ्य एक्सआर लैब शुरू, तकनीकी परिदृश्य बदलने में सहायक

भास्कर संवाददाता | इंदौर

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर में आईआईटी इंदौर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष और इसरो के पूर्व चीफ डॉ.के. सिवन ने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने सीजीएस एडवांस्ड रिसर्च कॉम्प्लेक्स और एआरवीआर लैब का उद्घाटन कर संस्थान को नवाचार की नई दिशा दी। इस मौके पर डायरेक्टर, वरिष्ठ संकाय सदस्य, शोधकर्ता और एम्स भोपाल के विशेषज्ञ शामिल हुए। डॉ. सिवन ने कहा, ये सुविधाएं न केवल आईआईटी इंदौर बल्कि देश के तकनीकी और स्वास्थ्य परिदृश्य को बदलने में सहायक सिद्ध होंगी।

11.8 करोड़ की लागत से तैयार हुए 'सीजीएस एडवांस्ड रिसर्च कॉम्प्लेक्स' को देश की महान महिला वैज्ञानिकों डॉ. बिभा चौधरी, डॉ. रोहिणी गोडबोले और डॉ. कमला सोहोनी को समर्पित किया है। 21,662 वर्ग फुट में फैला यह कॉम्प्लेक्स 10 अत्याधुनिक लैब, 24 फैकल्टी रूम और 96 छात्र कार्यस्थलों से लैस है। पफ पैनल रूफिंग और एडवांस एयर-कंडीशनिंग सिस्टम के साथ इसे उच्चस्तरीय वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए डिजाइन किया गया है। आईआईटी इंदौर के डिजिटल हेल्थकेयर पार्क (आईआईटीआई दृष्टि) के तहत 'स्वास्थ्य एक्सआर' लैब भी शुरू हुई। इमर्सिव हेल्थकेयर के तहत यहां वीआर फोबिया का इलाज हो सकेगा।

24 क्लास रूम के केवी में होगी हाईटेक सुविधाएं

परिसर में रहने वाले परिवारों और आसपास के छात्रों के लिए केन्द्रीय विद्यालय के नए भवन का शिलान्यास भी हुआ। 26.54 करोड़ की लागत से तीन मंजिला बिल्डिंग बनेगी। 63,840 वर्गफीट में 24 क्लासरूम, प्रशासनिक ब्लॉक और आधुनिक लैब होंगी।

ग्लोबल तकनीकों से सुसज्जित है

30 लाख की लागत वाली यह लैब माइक्रोसॉफ्ट होलोलेंस-2 और मेटा क्वेस्ट प्रो जैसी ग्लोबल तकनीकों से सुसज्जित है। कार्यक्रम में इसका टेक्नोलॉजी ट्रांसफर भी किया गया। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में इसे एक कदम बढ़ाते हुए डॉ. सिवन ने 1 मेगावाट (1000 किलोवाट) के भूमि-आधारित सोलर प्लांट की आधारशिला रखी। दावा है कि यह सोलर पार्क हर साल 75 लाख रुपए की बिजली की बचत करेगा।